प्रतिलिपि जोत चकबन्दी आकार पत्र २३ भाग-१ (नियम-४६) प्रारम्भिक चकबन्दी योजना (चकबन्दी-खतौनी)

ग्राम ......गुलरिहा...... तप्पा ......खुटहन...... परगना ......हवेली...... तहसील ......सदर...... जनपद ......गोरखपुर......

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
५३२	मलकीत सिंह व शैलेन्द्र सिंह व निर्मल सिंह पुत्रगण बेनासिंह मुहल्ला मोहद्दीपुर शहर गोरखपुर			५५३	१८६	.४९८	.४९८	—	—	—					चकबन्दी			बाहर					भाग १
					१८३	.२४६	.२४६	—	—	—													
					२१४	.४३६	.४३६	—	—	—													
				योग	३	१.१६८	१.१६८	—	—	—													

(१) आदेश स०च०अ० महोदय मु०नं० [illegible] धारा १२ में आदेश हुआ कि [illegible] ग्राम गुलरिहा खतौनी चक सं० ५३२ व ५३३ में लिखित खातेदार मलकीत सिंह पुत्र [illegible] सिंह निवासी मोहद्दीपुर शहर गोरखपुर से मृतक का नाम खारिज करके नरेन्द्र सिंह व नरेन्द्र सिंह पुत्रगण मलकीत सिंह नि० मोहद्दीपुर शहर गोरखपुर का नाम बतौर वारिस करके व निर्मल सिंह पुत्र बेनासिंह नि० मोहद्दीपुर शहर गोरखपुर (मृतक) का नाम खारिज करके श्रीमती [illegible] पत्नी निर्मल सिंह नि० मोहद्दीपुर शहर गोरखपुर का नाम बतौर वारिस दर्ज हो।

(२) आदेशानुसार श्रीमान स०च०अ० वाद सं० ५५२ दि० २६-२-२०१३ धारा १२ में आदेश हुआ कि ग्राम गुलरिहा तप्पा खुटहन के चक सं० ५३२ व ५३३ में लिखित खातेदार नरेन्द्र सिंह पुत्र मलकीत सिंह (मृतक) निवासी मोहल्ला मोहद्दीपुर शहर गोरखपुर का नाम खारिज करके इसके वैध [illegible] श्रीमती [illegible] पत्नी नरेन्द्र सिंह निवासी मुहल्ला मोहद्दीपुर शहर गोरखपुर का नाम बतौर वारिस दर्ज हो।

नोट- इस चक [illegible] में आदेश दर्ज है। सत्य प्रतिलिपि [illegible] [illegible]

Ashish Infrastate Ltd.
Director

प्रदेश UTTAR PRADESH 77AA 911[illegible]

[illegible] स्टाम्प 52/- प्रति. सं० मु 12/10 दस्ता० 4455-

हम [illegible] व हवील उल्लाह व नवीजान व नवील व रहमत पुत्रगण [illegible] मुतक निवासी ग्राम जंगल उतरधारी टोला शाहगंज तप्पा हवेली परगना हवेली तहसील सदर डाकखाना [illegible] बाजार जिला गोरखपुर के है। विदित हो कि हम मुकिरान [illegible] [illegible] [illegible] लगान दस गुना आराजीयात नम्बरान जैल के भूमिधर है जिसमें हम मुकिरान का हक व हिस्सा 1/3 भाग है जिस पर हम मुकिरान भूमिधराना [illegible] दखील है और जिसके इन्तकाल करने का हक हम मुकिरान को प्राप्त है हम मुकिरान को वास्ते बनवाने मकान रुपया की जरूरत दरपेश है जो बेदून इन्तकाल हिस्सा [illegible] रुपया मिलना कठिन है अतः हम मुकिरान बखुशी व रजामन्दी व [illegible] व [illegible] होश व हवास बिला जब्र व दबाव किसी दूसरे के अपना [illegible] व हिस्सा 1/3 भाग अन्दर आराजीयात नम्बरान जैल मय हकूक भूमिधरी [illegible] मौजा [illegible] तप्पा [illegible] परगना हवेली तहसील सदर जिला गोरखपुर को जो हर प्रकार के [illegible] इन्तकाल से बिल्कुल [illegible] सुरक्षित है बकीमत मु० 800/-आठ सौ रु. जिसका आधा मु0 400/-चार सौ रू. होता है बदस्त व हक श्री [illegible] सिंह पुत्र स्वर्गीय भगवान सिंह निवासी ग्राम महीउद्दीनपुर तप्पा कस्बा परगना हवेली तहसील सदर डा. [illegible] गोरखपुर जिला गोरखपुर बेचा व बै कामी किया और आज [illegible] [illegible] अपना कब्जा दखल [illegible] लिया और मुश्तरियान को उपर

Ashish Infrastate Ltd.
Director

कागजात मुबैया आधिपत्य रामा व मालिकाना काबिज दखील करा दिया और खुद उससे लावास्ता व लातास्लुक हो गये चाहिये किमुशतरी मजकूर जायदाद मुबैया पर मालिकाना काबिज दखील होकर दाखरात नाम हम मुकिरान अपना नाम बहैसियत भूमिधर दर्ज कागजात सरकारी करा ले और बादाय लगान सालाना पुस्त दर पुस्त भोग भुगत करें या जो चाहे सो करे इसमे हम मुकिरान तथा हमारे वारीसान को न कुछ उज्रहै और न होगा यदि आइन्दा व वजह फेल या तर्क फेल हम मुकिरान जायदाद मुबैया जुज या कुल कब्जा दखल मुशतरी मजकूर से निकल जावे तो उसदशा में उनको हक होगा कि अपना नुकसान मिरावत जर समन मय सूद कानूनी हर्जा खर्चा साहित हम मुकिरान की जात व दीगर जायदाद से वसूल मुनासिब वसूल कर लेवे जर समन कुल नक्द हाकिम रजिस्ट्री के समक्ष पावेंगे अत: यह दस्तावेज बैनामा खतमी लिख दिया कि वक्त पर काम आवे तफ तील आराजीयात नम्बरान कैत वाका मौजा गुलरिया तप्पा खुटहन प. हवेली तह. सदर जिला गोरखपुर नम्बरान सालिक 814/04, 815/1/-10, 815/2/-26 819/-14, 820/1/-22, 8.20/2/-46=6 खेत रकबा कुल 1.22 डि. सिवाका हाल नं. 184 व रकबा 1-22 एकएकड बाईस डिसमिल है उसमें से अपना कुल हक व हिस्सा 1/3 एक बटा तीन भाग है किया लगान सालाना मुताबिक परता कागजात सरकारी ता. 23. 11. 1965 ई. द. चि3. सलामत वाले. (नि3.) चि3. नसीब वाले. (नि3.) चि3. हबीब उल्लाह वाले. (नि3.) चि3. रहमतवाले. (नि3.) नि3. नबी जान वाले. (नि3.) द. कासिम सा. चि3. खलील वाले. (नि3.) द. चि3. सलामत वाले. (नि3.) द. चि3. हबीब व उल्लाहवाले. (नि3.) चि3. नबीजान वाले. (नि3.) चि3. नसीब वाले. (नि3.) चि3 रहमत वाले. (नि3.) चि3. सलामत वाले. (नि3.) चि3. नसीब वाले. (नि3.) चि3. हबीब उल्लाह वाले. (नि3.) चि3. रहमत वाले. (नि3.) चि3 नबीजान वाले. (नि3.) ले. बनवारी लाल वसीका नवीस गोरखपुर उजरत दो रुपया × 45/न. 467 ता. 23. 11. 65 सलामत वल्द फजल मौ. जंगल छत्रधारी टोला शाहगंज परगना हवेली गोरखपुर द. मंगल प्रसाद लै. दीवानी गोरखपुर 5/न. 468 ता. 23. 11. 65 सलामत 52/मे सामिल है द. मंगल प्र. 2/न. 469 ता. 23. 11. 65 सलामत 52/मे सामिल है द. मंगल प्रसाद लै. बैनामा 800/- शुल्क रजिस्ट्री 17/- प्रतिलिपि 1. 50 शब्द स. 600 योग 18. 50 श्री सलामतपुत्र फजल पेशा खेती निवासी शाहगंज तप्पा खुटहन परगना हवेली जिला गोरखपुर ने यह दस्तावेज कार्यालय सब रजिस्ट्रार गोरखपुर में आज दिनांक 23.11. सन 65 ई. बीच समय 3 व 4 बजे दिन के प्रस्तुत किया ह. 9.A.A.[illegible] सब रजिस्ट्रार

Ashish Infrastate Ltd
Director

23.11.65 नि. सलामत (निशान) इस दस्तावेज की तकमील व वसूलयाबी आठ सौ रू. 800/-जो कुल नकद मेरे सामने पाकर उक्त सलामत हबीबुल्लाह नबीजान नसीब रहमत पिसरान फज्ल सा. शाहगंज मजकूर ने सुन व समझकर स्वीकार किया जिनकी पहचान श्री कासिम पुत्र अमीन निवासी शाहगंज मजकूर व श्री खलील पुत्र मंगरू निवासी शाहगंज मजकूर ने की 80/ SA/ 23.11.65 नि. सलामत (निशान) नि. हबीबुल्लाह (निशान) नि. नबीजान (निशान) नि. नसीब (निशान) नि. रहमत (निशान) कासिम (निशान) नि. खलील (निशान) निशानात अंगूठा उपरोक्त गवाहान जो भले प्रतीत होते हैं नियमानुसार लिये गये SA 9.A Alavi उप रजिस्ट्रार गोरखपुर 23.11.65 बही नम्बर 1 जि. 1184 के पृष्ट 38 सा 40 में नम्बर 4455 पर आज ता. 3 दिसम्बर सन 1965 ई. रजिस्ट्री कीगई।

SA 9.A Alavi SA.

मुहर

मुहर

सत्य-प्रतिलिपि

उप निबन्धक सदर
गोरखपुर
8/1/10

Ashish Infrastate Ltd.
Director

भारतीय गैर न्यायिक

पाँच रुपये FIVE RUPEES

रु.5 Rs.5

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 18AA 386611

नकल बैनामा असल स्टाम्प 97.50 प्रति.सं0 मु0116/10 दस्तं0 4131-

हम कि मु.सोना बेवा सरदार ~~और~~ वो गुलाम मोहम्मद उम्र 30 साल वो बाबूलाल उम्र 25 साल वो मंहगू उम्र 22 साल पि. बर्द साकिनान मौजा जंगल [illegible]धारी टोला शाहगंज तप्पा कुरहन परगना हवेली तहसील सदर डाकखाना डुमरियां जिला गोरखपुर के है। बाजा हो कि हम मुकिरान आराजियात नम्बरी जैल के व अदाय लगान दस गुना करके सनद भूमिधरी हासिल कर लिया है अब हम मुकिरान को हर तौर का हक इन्तकाल हासिल है हम मुकिरान [illegible] अलावे मकान बनवाने [illegible] रूपये की सख्त जरूरत दरपेश है जो बेदुन इन्तकाल जायदाद रूपये का हासिल होना गैर मोमकिन है लेहाजा हम मुकिरान बखुशी रजामन्दी व दुरूस्ती होश व हवास अपने [illegible] आराजियात नम्बरीजैल वाके मौजा मुलाहिजा तप्पा व परगना मजकूर को बकीमत मु0 1500/- पन्द्रह सौ रूपये की निस्फ जिसका मु0 750/-रूपया होता है बदस्त व हक [illegible] सरदार [illegible] सिंह वल्द सरदार भगवान सिंह मुतवत्ती साकिन मौजा मोहीउद्दीनपुर तप्पा [illegible] परगना हवेली तहसील व डाकखाना सदर जिला गोरखपुर बेचा व बय कतई किया और आज की तारीख से मुश्तरी से अपना कब्जा दखल [illegible] मुश्तरी मजकूर को काबिज दखील कर दिया और [illegible] हो गये जायदाद मुबैया हर तौर के दुख से [illegible] व साफ है अगर [illegible] [illegible] व दावा [illegible] जायदाद मुबैया [illegible] [illegible] [illegible] मुश्तरी को हक होगा [illegible]

Ashish Infrastate Ltd.
Director

भारतीय गैर न्यायिक

पाँच रुपये FIVE RUPEES

रु.5 Rs.5

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH -2- 18AA 386612

जात व जायदाद से तहसील मुनाफिल-वसूल कर लेवे चाहिए कि मुश्तरी दाखिल खारिज नाम हम मुकिरान नाम अपना दर्ज कागजात सरकार करा लैं या जो चाहे सो करे जर समन मु0 500/-पांच सौ रुपया नकदकबल रजिस्ट्री वसूल पा लिया है बकिया मु0 1000/-एक हजार रुपया नकद रूबरू हाकिम रजिस्ट्री के वसूल पाया लेहजा यह दस्तावेज बैनामा बतौरी लिख दिया कि वक्त पर काम आवे तफसील आराजियात नम्बरी बैनामा मौजा गुलरीहा तप्पा हवेली प्रगना हवेली तहसील सदर जिला गोरखपुर नम्बरान साबिक 814/-4 व 815/1/-10 व 815/2/-26 व ~~x~~ 819/-14 व 820/1/-22 व 820/2/-46 कुल 6 खेत व रकबा 1.22 एक एकड़ वाईस डि. व.परता कागजात सरकार हाल नं. 184/1.22 कुल एक खेत व रकबा एक डेकड़ वाईस डि. बजाये कागजात सरकार मा. 28.10.1965 ई. कातिब गुरु सहाय लाल वसीका नवीस उजरत पाया 7/ग़ाबु.द. नि0 मु.सोना बाका. (नि0 द. नि0. गुलाम मोहम्मद बाका. (नि0) द. नि0. बाबूलाल बाका. (नि0) द. नि0. महगूं बा. का. (नि0) ग. ह. मोनू प्रसादबाख. ग. कासिम द. नि0. मु. सोना बाका. (नि0) द. नि0 गुलाम मोहम्मद बाका. (नि0) द. नि0. बाबूलाल बाका. (नि0) द. नि0. महगूं बाका. (नि0) द. नि0. मु. सोना बाका. (नि0) ग. नि0. गुलाम मोहम्मदबाका. (नि0) द. नि0. बाबूलाल बाका. (नि0) द. नि0 महगूं बाका. (नि0) 75/न. 449ता. 28.10.65 मु. सोना बेवा सरदार मो. जंगल रुधारी परगना हवेली गोरखपुर मो... दे. सिवानी ... /15/न. 57 ता. 21.10.65 मु. सोना बेवा सरदार मु. जंगल रुधारी मु. हवेली ... नि0 ... सिवानी

Ashish Infrastate Ltd.
Director

गोरखपुर 7.50/न.58 ता. 21.10.65 ई. मु.सोना बेवा सरदार सा. जंगल अधारी प्र. हवेली जि. गोरखपुर म. सीताराम हैं. बैनामा 1500/- शुल्क रजि. 26/- प्रतिलिपि 1.50 शब्द स. 600 योग 27.50 श्रीमती सोना बेवा सरदार पेशा खेती निवासी जंगल अधारी तप्पा कुडन परगना हवेली जिला गोरखपुर ने यह दस्तावेज कार्यालय सब रजिस्ट्रार गोरखपुर में आज दिनांक 28.10.सन 65 ई. बीच समय 3 व 4 बजे दिन के प्रस्तुत किया Sd. 9.A. Alavi – सब रजिस्ट्रार 28.10.65 नि. मु. सोना (नि3) इस ~~इकरार~~ दस्तावेज की तकमील व वसूलयाबी अं0 पन्द्रा सौ रु. 1500/- जिसमें से अंक पांच सौ रु. 500/- नकद मेरे सामने पाकर उक्त मु. सोना व गुलाम मुहम्मद व बाबूलाल व महगूं पिसरान जवई सा. जंगलअधारी मज्कूर ने सुन व समझकर स्वीकार किया जिनकी पहचान श्री भोनू प्रसाद पुत्र श्यामलाल निवासी झुंगिया तप्पा व परगना व जिला मज्कूर व श्री कासिम पुत्र अमीन निवासी शाहपुरतप्पा व परगना व जिला मज्कूर ने की ह. 9.A. 28.10.65 नि. मु. सोना (नि3) नि. गुलाम मुहम्मद (नि3) 9A. नि. बाबूलाल नि3. 9.A नि. महगूं (नि3) ह. भोनू प्रसाद (नि3) कासिम (नि3) निशानात अंगूठा उपरोक्त गवाहान को भले प्रतीत होते हैं, नियमानुसार लिये गये Sd. 9.A Alavi सब रजिस्ट्रार गोरखपुर 28.10.65 बही नं. 1 जि. 1181 के पृष्ठ 193/195 में नं0 4131 पर आज दिनांक 1.11.65 ई. रजिस्ट्री की गई। Sd. 9.A Alavi Sd.

पढ़ा सुना

सत्य-प्रतिलिपि
उप निबन्धक सदर
गोरखपुर
09/9/10

Ashish Infrastate Ltd.
Director

शुल्क रजिस्ट्री - प्रतिलिपि शब्द ल० योग

श्री/श्रीमती ...... पुत्र/पत्नी ...... पेशा ...... निवासी ...... तप्पा ...... जिला ...... ने यह लेख ...... कार्यालय गोरखपुर में आज दिनांक ...... समय ...... बजे निबन्धन हेतु पेश किया।

इस दस्तावेज की हकीकत व वसूलयाबी ध० ...... जो कुल/किश्त में ...... नकद मेरे सामने पाना स्वीकार ......

मैं कुल या ...... स्वीकार किया।

उप निबन्धक
गोरखपुर

Ashish Infrastate Ltd.
Director

UTTAR PRADESH

चालीस रुपया

भारत

४० रू. 40 RS.

FORTY RUPEES

हमकि श्री बिरजा पुत्र खिलावन म्हरु निवासी ग्राम
मिर्जापुर तथा तुर्कमानपुर प० हवेली डा० मुरादनगर जि० गाजियाबाद का हूँ
विदित हो कि हम कि बादाम लगान दस्तक [illegible] आराजी नम्बरी जैल के भूमि
धर मालिक व काबिज है जिस के इन्तकाल का हक हम मुकिर को प्राप्त है।
हम मुकिर को मकान निर्माण हेतु रुपया की आवश्यकता है। अतः
हम मुकिर व खुशी व रजा मन्दी व दुरुस्ती होश व हवास
अपने बिला जब्र व दबाव किसी [illegible] के अपनी आराजी नम्बरी
जैल मय हक [illegible] गुल्हाये तथा व प्रगने
[illegible] को जो हर प्रकार के नुकसान बवाल व इन्तकाल से
बिल्कुल सुरक्षित है बकीमत मु० 1000) एक हजार
रु० जिस का आधा रु० 500 (पाँच सौ रु० होता है
बदस्त व बहक श्री सरदार अनसिंह पुत्र सरदार
भगवान सिंह निवासी ग्राम महीउद्दीनपुर तथा कस्बा
परगना हवेली डा० [illegible] गाजियाबाद जिला गाजियाबाद

ह० अं० बिरजा [illegible] सा० नि० अं० बाबूलाल [illegible]

Ashish Infrastate Ltd
Director

PRADESH

पच्चीस रुपया

२५रू. भारत INDIA 25Rs.

TWENTY FIVE RUPEES

व बेदखल किया और आराजी जायदाद मजकूर पर से अपना

कब्जा दखल उठा कर मुश्तरी मजकूर को अपने जायदाद मजकूर

में पूरा कब्जा दखील करा दिया अब हम बाय से जाय-

दाद मजकूर से कोई मतलब व सरोकार नहीं है मुश्तरी

को चाहिये कि जायदाद मजकूर पर मालिकाना कब्जा दखील

रहकर [illegible] नाम हम बाय के अपना नाम व हैसियत मालिक

दर्ज करा लेवें [illegible] पुस्त दर पुस्त काबिज रहें

इसमें हम या हमारे वारिसान को कोई उज्र न होगा

यदि आइन्दा बवजह कोई फेल या तर्क फेल हम बाय के जायदाद म-

जकूर कब्जा दखल मुश्तरी से निकल जाये तो उस सूरत में उनको

हक होगा कि अपना नुकसान मय [illegible]

हो उसका मय सूद कानूनी हम व [illegible] सहित हम मजकूर की

जात व दीगर जायदाद चल व अचल से वसूल कर लें मुश्तरी

[illegible] हमको रोजाना [illegible] पावेंगे / अतः यह

दस्तावेज बैनामा खत्म लिख दिया कि सनद रहे व वक्त पर काम आवे ।

तफसील आराजी नम्बर व [illegible] मौजा गुलहरिया

तप्पा [illegible] परगना हवेली तहसील सदर जिला गोरखपुर

नम्बर रकबा

१८३ [illegible] — ६१ [illegible]

ता० [illegible]—२— ६६४०

[illegible] वली वनवारीलाल बमोजिब [illegible]

गोरखपुर [illegible]

[illegible]

Ashish Infrastate Ltd.

Director

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Returned
to
A R K D
15/XI/75

Ashish Infrastate Ltd.
[illegible]
Director

[illegible]
15/1/66